बिजनेस भास्कर

30 जनवरी, 2010

सेबी की दक्षता से रुके घोटाले : भावे

बिजनेस भास्कर ◆ भोपाल

सेबी प्रमुख सी.बी. भावे ने कहा है कि शेयर बाजार की नियामक संस्था पूरी दक्षता से काम कर रही है और यही कारण है कि बीते 15 वर्षों में कोई बड़ा घोटाला नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि अभी शेयर बाजार में निवेशक कम संख्या में हैं लेकिन सेबी चाहता है कि निवेशक तेजी से न बढ़ें बल्कि जो भी निवेशक आए वह शिक्षित हो। वह शिक्षण संस्थान आईपर के छठे राष्ट्रीय प्रबंध सम्मेलन में बोल रहे थे। कार्यक्रम के की नोट सेशन के दौरान अर्थशास्त्री प्रो.बिवेक देबरॉय ने नीतियां तैयार करने की प्रक्रिया में युवाओं को शामिल करने पर बल दिया। वहीं भोपाल स्टॉक इनवेस्टर एसोसिएशन के एक कार्यक्रम में भास्कर समूह के चेयरमैन रमेशचंद्र अग्रवाल ने कहा कि निवेशकों को पूरी जानकारी और समझदारी के साथ बचत के कुछ हिस्से को ही बाजार में लगाना चाहिए।

निवेशक बढ़े

जोखिम के मुताबिक निवेश करें : रमेश चंद्र अग्रवाल

नीतियां तय करने की प्रक्रिया युवा भागीदारी हो : देबरॉय

आईपर समारोह में भावे ने कहा कि आने वाले कुछ वर्षों में सेबी कई तरह के नए उत्पाद लाएगा। उन्होंने कहा कि हमने करेंसी फयूचर शुरू किया है जिसके अच्छे परिणाम आए हैं। इंटरेस्ट रेट फ्यूचर भी शुरू किया जा रहा है। जिस तरह ज्यादा से ज्यादा उत्पाद सेबी ला रहा है, उसे देखते हुए निवेशकों को और प्रशिक्षित होने की जरूरत है। इसी को ध्यान में रखकर हम स्टॉक इनवेस्टर एसोसिएशन को मान्यता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्कूली पाठ्यक्रमों में शेयर बाजार की जानकारी देने की कोशिश जारी है। यह अंग्रेजी-हिंदी के अलावा सात-आठ क्षेत्रीय भाषाओं में भी होगा। अर्थशास्त्री देवराय ने कहा कि देश में युवाओं की तो अधिक संख्या है लेकिन नीति बनाने में उनका योगदान नहीं है। बदलाव के सूत्रधार युवा ही होते हैं ऐसे में उन्हें आगे आना चाहिए। भोपाल स्टॉक इनवेस्टर्स एसोसिएशन के समारोह में भास्कर समूह के चेयरमैन रमेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि निवेशक को समझबूझ कर निवेश करना चाहिए। अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार ही योजना बनानी चाहिए।